

REVERENT, REVERENTIAL : (1) भक्तिमत् (f. ती) ; (2) by circumlo. : v. To revere, respectful.

REVERENTLY, REVERENTIALLY : (1) भक्त्या ; (2) भक्तिपुरःसरम् ; (3) भक्तिपूर्वकम् : v. Also respectfully.

REVERIE : ध्यानम् : v. Meditation, dream.

REVERSAL : (1) परावर्तः, -नम् ; (2) परावृत्तिः : v. To reverse.

REVERSE (subs.) : I. The back side : पृष्ठम्. II. Misfortune : q.v. : विपद् (f.) or विपत्तिः. III. Contrary, opposite : q.v. : विपर्ययः. IV. Change : q.v. : परावर्तः. Ph. : *r. of cold* : शीतेतर (f. रा) ; *r. of white* : सितेतर (f. रा) ; etc.

REVERSE (v.) : I. To annul, make void : perh. परावर्तयति (c. of वृत्) ; (2) खण्डयति, परि- (खण्ड्, c. 10.). II. To change, alter : q.v. : परिवर्तयति. Ph. : *r.ing you and I* : युष्मद-स्मदोर्व्यत्ययेन, Mu. v.

REVERSE, -D (adj.) : विपर्यस्त (f. स्ता) : v. Contrary.

REVERSELY : विपर्ययेण : v. Conversely.

REVERSIBLE : परावर्तनीय (f. या) ; (2) परावर्त्य (f. त्या) ; (3) by circumlo.

REVERSION : I. Reversing : परावर्तः, -नम्. II. Reverting : प्रत्यावर्तः, -नम् : v. Also succession.

REVERSIONARY : *r. heir* : शेषाधिकारिन् (f. णी) (?) ; *r. interest or right* : शेषभोगाधिकारः (?) .

REVERT : (1) प्रत्यावर्तते (वृत्, c. 1.) ; (2) पुनर् आगच्छति (गम्, c. 1.) : v. To come, again, at last.

REVIEW (subs.) : I. Inspection : परिदर्शनम्. II. Of books : पर्यालोचना (?) ; दोषगुणविचारः (?). III. In law : पुनर्दर्शनम्, *a r. (should be made) if objections are raised against witnesses or assessors by losing parties* : साक्षिसभ्यावसन्नानां दूषणे दर्शनं पुनः, N.s.

REVIEW (v.) : I. Lit. and in law : पुनर्दर्शनं करोति. II. To revise, inspect : परिपश्यति (दृश्, c. 1.). III. As books : पर्यालोचयति (लुच्, c. 10.) : v. To examine, criticize.

REVIEWER : (1) पर्यालोचक (f. चिका) ; (2) गुण-दोषविचारक (f. रिका) and sim. comp.s.

REVILE : अधि-क्षिपति, आ-, (क्षिप्, c. 6.) : v. To abuse, censure.

REVILER : अधि-क्षेपक (f. पिका), आ- : v. Censurer.

REVILING : I. Subs. : अधि-क्षेपः, आ- : v. Abuse, censure, reproach. II. Adj. : expr. by comp. : v. Abusive.

REVISAL : (1) परिदर्शनम् (=review) ; (2) परिशोधः (=correction).

REVISE : perh. परिपश्यति (दृश्, c. 1.) or परिदर्शनं करोति : v. Also to amend, correct.

REVISION : I. Revisal : q.v. II. What is revised : शुद्धिः.

REVIVAL : I. Lit : (1) उज्जीवनम् or सज्जीवनम् ; (2) संज्ञालामः, चेतनागमः, etc. (= recovery of consciousness) ; (3) उद्बोधनम् or वि- (=awakening). II. Fig., as of studies : (1) पुनरुत्थानम् ; (2) समुत्थानम् (=rise) ; (3) by verb.

REVIVE (v.t.) : I. To bring to life : जीवयति, सं-, प्रति-, उत्- (c. of जीव्), *r.ing medicine* : सज्जीवनौषधिः, U. iii. 11. II. To bring to consciousness : संज्ञां or चेतनां लम्बयति (c. of लम्) or ग्राहयति (c. of ग्रह्), K. III. To awaken, arouse : बोधयति, वि-, उत्- (c. of बुध्), *the wife of Kāma was r.d by fate* : विधिना कामवधूर्विबोधिता, Ku. iv. 1. IV. To refresh : q.v. : आश्वासयति, सम्-, (c. of श्वस्). V. To renew : (1) (पुनः) प्रवर्तयति (c. of वृत्), *to r. Vedic studies* : श्रुतिसम्प्रदायं प्रवर्तयितुम्, M.n. on Si. xiv. 79. ; (2) स्मरति (स्मृ, c. 1. =to bring to recollection), Si.

REVIVE (v.i.) : I. To come to life : q.v. : उज्जीवति (जीव्, c. 1.). II. To recover consciousness : संज्ञां or चेतनां लमते, (लम्, c. 1.), प्राप्नोति (आप्, c. 5.), etc. : v. To get. III. To reflourish : (1) पुनर उत्तिष्ठते, सम्-, (स्था, c. 1.) ; (2) by v.t. : v. Revive (V).

REVOCABLE : खण्डनीय (f. या) or खण्ड्य (f. ण्ड्या), परि-.

REVOCATION : खण्डना : v. Repeal, reversal.

REVOKE : खण्डयति (खण्ड्, c. 10.) : v. To reverse.

REVOLT (subs.) : राजद्रोहः : v. Rebellion.